Written by कुमार सौवीर
Monday, 07 May 2018 10:07

: [illegible] :

[illegible]

[illegible] : ब दारोगा को शौक है खुद के चुस्त-चौकस होने का ढिंढोरा सुनने का अक्सर ऐसे लोगों का जुमला होता है कि वे 24 घंटों में 36 घंटों तक काम करते हैं लेकिन जब कोई आपके किसी ऐसे दमन पर छींट खोज लाये तो क्या होगा?

जी हां, वही होगा, जो जुहेर का हुआ मामला था ब दरोगा का सल्तनत उसी की थी, मजीआर उस जुहेर ने नुक्ता खोज लिया बात बिग गई मचा हल्ला और हंगामा तलब किया गया जुहेर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, छीछालेदर की धमकियां दी गईं माफी मंगवाई गयी उसके बाद ही ब ा दारोगा खुश हो पाया

तो पहले किस्सा संक्षेप में समझ लीजि क पत्रकार हैं, जो जोशीले हैं, संघर्षशील है, खबर की तमीज है, खबर सूंघने का शऊर है, लिखने का तरीका है, खबर सुनने का सलीका है और मेहनत बेहिसाब किसी से डरते और झुकते नहीं, खबर चाहे किसी की हो लिखेंगे जरूर

उनकी यही बदतमीजी उन पर पिछले दिनों काफी भारी पड़ गई है उनकी इसी बदतमीजी के चक्कर में उन्हें न्यूज़ संस्थान से भी हटा दिया गया कहा तो यहां तक गया था कि बड़ा दरोगा ही उसके पीछे पड़ा था नतीजा यह हुआ कि उस चैनल के ब्यूरो चीफ के पास फोन आया फोन आया तो उसने खुद ही वह ब्यूरो चीफ पकैया-पकैया चलकर बड़े दरोगा के घर पहुंचा और फर्शी कोर्निश करके बोला:-हुजूर, क्या गड़बड़ हो गई ? हुकुम करो?

ब दारोगा ने ब्यूरो चीफ से हुकुम दिया कि: उस रिपोर्टर को फौरन से पेश्तर अपने दफ्तर से लात मार कर ऐसे बाहर निकाल करो, जो जलिलेजलिाही तक आवाज बा बुलंद पहुंचे नतीजा इस रिपोर्टर के पिछवा पर जो गजब लात प ी कि ब ा दरोगा अलमस्त हो गया

जी हां, वह गरीब , मेहनती, जुझारू रिपोर्टर उसी वक्त निकाल दिया गया चैनल से

तो कल अमीनाबाद में अमीनाबाद के व्यापारियों ने क सम्मेलन आयोजित किया था यह सम्मान सम्मेलन था सम्मान होना था लखनऊ के बड़े दरोगा यानी SSP दीपक कुमार का अलग या कोई भी नहीं समझ पा रहा है यह सम्मान किस बात पर हुआ ऐसा कौन सा काम पुलिस ने कर दिया अमीनाबाद में जिसके लि व्यापारियों ने दीपक का सम्मान कर दिया जाहिर है कि मामला तेल मालिश कर खुशामद का

क सूत्र बताते हैं कि अमीनाबाद के इस्पेक्टर साहब ने दीपक कुमार को खुश करने के लि अमीनाबाद के धंधेबाजों को बुलाया था और कहा कि बड़े दरोगा को सम्मानित कर दो तो वह खुश हो जा ंगे और जब खुश हो जा ंगे, तो चूंकि यह मेरा हल्का है इसलि वह मुझसे भी खुश हो जा ंगे और जब मैं खुश हो जाऊंगा तो मैं तुम व्यापारियों को खुश कर दूंगा क धांसू खबर बन जा गी दुनिया-जहान में तारीफ की तुम मेरी पीठ खुजला देना, और मैं तुम्हारी पीठ खुजला दूंगा

व्यापारियों की समझ में आ गया और बड़े दरोगा को सम्मानित करने के लि यह समारोह आयोजित कर लिया

समारोह में बड़े दरोगा आ माला-शाला पहना, गुलदस्ता पकड़ा, इधर-उधर बोतल से पानी निकाल पर पानी पिया, कुतरा कुछ बिस्कुट-काजू, मोबाइल पर सर्फिंग की इसी बीच सरकार-बहादुर को नींद आ गयी, और लगे खर्राटे लेना क पत्रकार ने उनके सोते वक्त की फोटो खींच ली फोटो मिली तो पत्रकार ने उस पर खबर लिख दी तो बस तहलका मच गया

मैं आंख बंद कर मनन करता हूँ, बोले लखनऊ के ब दारोगा